

निर्देश - सभी अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि वे बच्चों को नीचे दिए गए विवरण के द्वारा पाठ-भाषा और पाठ-वाक्य को समझाएं और दिया गया कार्य करने में सहायता करें।

पाठ - भाषा

अपनी बात को समझाने और दूसरों की बात को समझने का साधन ही भाषा है।

भाषा के रूप

अपनी बात दूसरों तक दो तरीके से पहुँचाते हैं -

- ① बोलकर ② लिखकर

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तरों को बोलकर और लिखकर याद करें -

- 1 प्र० - भाषा क्या है?
उ० - अपनी बात को समझाने और दूसरों की बात को समझने का साधन ही भाषा है।
- 2 प्र० - भाषा के कितने रूप होते हैं?
उ० - भाषा के दो रूप होते हैं।
① बोलकर ② लिखकर
- 3 प्र० - हमारी राष्ट्र-भाषा क्या है?
उ० - हमारी राष्ट्र-भाषा हिंदी है।

पाठ - वाक्य

जिस प्रकार शब्द वर्णों से बनते हैं, उसी प्रकार शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं। जैसे -

मोर + नाच + रहा + है।

मोर नाच रहा है

पक्षी + उड़ + रहे + हैं।

पक्षी उड़ रहे हैं।

बंदर + पेड़ + पर + बैठा + है।

बंदर पेड़ पर बैठा है।

बच्चे + खेल + रहे + हैं।

बच्चे खेल रहे हैं।

बच्चों, ऊपर लिखा प्रत्येक शब्द समूह वाक्य है।

नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ -

बच्चे , बंदर , पेड़ , सूरज
बैलगाड़ी , पेड़ , सहायता ,
कीयल , चौकीदार ,
घर